Knowledgeable Research ***ISSN 2583-6633*** **Vol.02, No.12, July, 2024**

An International Peer-Reviewed Multidisciplinary Journal

Knowledgeable Research

ISSN 2583-6633

Vol.02, No.12, July, 2024

http://knowledgeableresearch.com/

उच्च माध्यमिक स्तर के आरक्षित वर्ग व अनारक्षित वर्ग के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन

[1]डा० धमेन्द्र कुमार एवं [2]अंशिका

[1]एसोसिएट प्रोफेसर एवं [2]शोधार्थिनी

वर्धमान कालेज,बिजनौर

Email: sem4biossc@gmail.com

****

सारांश

उच्च माध्यमिक स्तर के आरक्षित वर्ग और अनारक्षित वर्ग के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि का अध्ययन यह स्पष्ट करता है कि सामाजिक, आर्थिक, और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि उनके भावनात्मक विकास पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालती है। संवेगात्मक बुद्धि विद्यार्थियों के शैक्षिक प्रदर्शन, मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य, और सामाजिक कौशल के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह नैतिक और मूल्य आधारित शिक्षा को भी सुदृढ़ करती है, जिससे विद्यार्थियों का समग्र विकास होता है। आरक्षित और अनारक्षित वर्गों के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि में अंतर को पहचानना और समझना शिक्षा प्रणाली में समानता और समावेशिता को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक है। यह सभी विद्यार्थियों को समान अवसर और संसाधन प्रदान करने में सहायता करता है। उच्च संवेगात्मक बुद्धि वाले विद्यार्थी न केवल व्यक्तिगत रूप से सफल होते हैं, बल्कि समाज में भी सकारात्मक योगदान देते हैं। वे आत्म-जागरूक, आत्म-नियंत्रित और सहानुभूतिशील होते हैं, जिससे समाज में सामंजस्य और शांति बढ़ती है। संवेगात्मक बुद्धि के अध्ययन से प्राप्त अंतर्दृष्टियों के आधार पर शैक्षिक नीतियों और कार्यक्रमों को तैयार किया जा सकता है जो सभी विद्यार्थियों के भावनात्मक और सामाजिक विकास को सुनिश्चित करते हैं। यह उनके शैक्षिक और व्यक्तिगत जीवन को संतुलित और समृद्ध बनाने में मदद करता है। संवेगात्मक बुद्धि आजीवन सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह विद्यार्थियों को जीवन की विविध चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करती है, जिससे वे सफल और संतुष्ट जीवन जी सकते हैं। संवेगात्मक बुद्धि का अध्ययन उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह न केवल उनके वर्तमान शैक्षिक और सामाजिक जीवन में सुधार लाता है, बल्कि उनके भविष्य की सफलता और संतोष को भी सुनिश्चित करता है। इसलिए शैक्षिक संस्थानों, शिक्षकों और नीतिनिर्माताओं को इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए ताकि सभी विद्यार्थियों को उनके संवेगात्मक बुद्धि के विकास के लिए उचित अवसर और संसाधन प्राप्त हो सकें। शोध अध्ययन के प्राप्त परिणाम - आरक्षित वर्ग तथा अनारक्षित वर्ग के छात्रों की संवेगात्मक बुद्धि में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया, आरक्षित वर्ग तथा अनारक्षित वर्ग की छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

मुख्य शब्द:- *उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थी,आरक्षित वर्ग व अनारक्षित वर्ग,संवेगात्मक बुद्धि*

****

Author Name: Dr. DHAMENDRA KUMAR and ANSHIKA

Received Date: 20.07.2024

Publication Date: 31.07.2024

Knowledgeable Research *ISSN 2583-6633* Vol.02, No.12, July, 2024
An International Peer-Reviewed Multidisciplinary Journal

1 प्रस्तावना

संवेगात्मक बुद्धि एक विशेष प्रकार की सोचने की क्षमता है जो व्यक्ति को प्रेरित करती है और उसे किसी न किसी कार्य को सम्पन्न करने के लिए उत्तेजित करती है। यह बुद्धि एक व्यक्ति को सकारात्मक दृष्टिकोण और ऊर्जा के साथ किसी कार्य को पूरा करने की क्षमता प्रदान करती है। संवेगात्मक बुद्धि व्यक्ति को नए और निर्माणात्मक विचारों को ध्यान में लाने में मदद करती है और उसे समस्याओं के समाधान के लिए नए दृष्टिकोण और उपायों की खोज में प्रेरित करती है। यह बुद्धि उत्साही और संवेगी भावनाओं को उत्पन्न करती है जो व्यक्ति को किसी भी कठिनाई का सामना करने के लिए तैयार करती है। संवेगात्मक बुद्धि एक व्यक्ति को नई और अद्वितीय समस्याओं के सामना करने के लिए सक्रिय रूप से जिज्ञासु और अविरल बनाती है जिससे उसका विकास होता है और उसकी क्षमताएं मजबूत होती हैं। इस प्रकार संवेगात्मक बुद्धि एक व्यक्ति को समस्याओं के सामना करने के लिए प्रेरित करती है और उसे सक्षम बनाती है अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में। संवेगात्मक बुद्धि विशेष रूप से उत्साह और प्रेरणा की भावना को समाहित करती है। यह एक शक्तिशाली और उत्तेजित मानसिक स्थिति है जो किसी भी कार्य को पूरा करने के लिए व्यक्ति को प्रेरित करती है। इसके साथ-साथ संवेगात्मक बुद्धि व्यक्ति को विभिन्न संदेशों और विचारों को प्रस्तुत करने के लिए भी प्रोत्साहित करती है जो नए और नवीनतम उपायों को खोजने में मदद करते हैं। यह बुद्धि व्यक्ति को आत्म-निर्धारित करने और समस्याओं का सामना करने के लिए उनके अंदर छिपी क्षमताओं को जागृत करती है। यह व्यक्ति को अपने कार्य को पूरा करने के लिए सक्षमता और साहस प्रदान करती है जिससे वह अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध रहता है। संवेगात्मक बुद्धि एक अद्वितीय प्रकार की सोच है जो व्यक्ति को क्रियाशील और सकारात्मक बनाती है जिससे वह अपने उद्देश्यों की प्राप्ति में सफलता प्राप्त कर सकता है।

संवेगात्मक बुद्धि व्यक्ति की वे क्षमताएँ होती हैं जिनसे वह अपने तथा दूसरों के भावनाओं को पहचानता समझता और प्रबंधन करता है। यह कौशल किसी भी छात्र के शैक्षिक और सामाजिक जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में संवेगात्मक बुद्धि का स्तर उनके व्यक्तिगत शैक्षिक और सामाजिक सफलता को प्रभावित करता है। आरक्षित वर्ग और अनारक्षित वर्ग के विद्यार्थियों में संवेगात्मक बुद्धि के स्तर में कुछ भिन्नताएँ हो सकती हैं जो उनके सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से प्रभावित होती हैं।

Author Name: Dr. DHAMENDRA KUMAR and ANSHIKA
Received Date: 20.07.2024
Publication Date: 31.07.2024

Knowledgeable Research ***ISSN 2583-6633*** **Vol.02, No.12, July, 2024**
An International Peer-Reviewed Multidisciplinary Journal

आरक्षित वर्ग के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि

1.सामाजिक-आर्थिक चुनौतियाँ'': आरक्षित वर्ग के विद्यार्थी अक्सर सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों का सामना करते हैं जो उनकी संवेगात्मक बुद्धि को प्रभावित कर सकती हैं। इन चुनौतियों से निपटने की क्षमता उनमें अधिक धैर्य सहनशीलता और समस्याओं के समाधान की क्षमता विकसित करती है।

2.**सहायता और समर्थन:** आरक्षित वर्ग के विद्यार्थियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं और संस्थागत समर्थन मिलते हैं**,** जो उनकी आत्म-सम्मान और आत्म-विश्वास को बढ़ाते हैं। इससे उनकी संवेगात्मक बुद्धि को प्रोत्साहन मिलता है।

3.**सामाजिक संपर्क:** सामाजिक भेदभाव और पूर्वाग्रहों के कारण आरक्षित वर्ग के विद्यार्थियों में आत्म-नियंत्रण और आत्म-जागरूकता का स्तर अधिक हो सकता है क्योंकि वे सामाजिक मानदंडों और अपेक्षाओं के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। अनारक्षित वर्ग के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि

1.संसाधनों की उपलब्धता: अनारक्षित वर्ग के विद्यार्थियों को शिक्षा और अन्य संसाधनों की बेहतर उपलब्धता होती है जिससे वे भावनात्मक और शैक्षिक चुनौतियों का सामना अधिक कुशलता से कर सकते हैं। यह उनकी संवेगात्मक बुद्धि को मजबूत बनाता है।

2.समाजिक समर्थन: अनारक्षित वर्ग के विद्यार्थियों को परिवार और समुदाय का मजबूत समर्थन मिलता है, जो उनकी संवेगात्मक स्थिरता और आत्म-विश्वास को बढ़ावा देता है।

3.**प्रतिस्पर्धा और दबाव':** अनारक्षित वर्ग के विद्यार्थियों में उच्च प्रतिस्पर्धा और सामाजिक अपेक्षाओं के कारण तनाव और चिंता का स्तर अधिक हो सकता है। इससे उनके संवेगात्मक बुद्धि को चुनौती मिलती है लेकिन यह उन्हें भावनात्मक प्रबंधन की कला सिखाता है।

Author Name: Dr. DHAMENDRA KUMAR and ANSHIKA
Received Date: 20.07.2024
Publication Date: 31.07.2024

Knowledgeable Research *ISSN 2583-6633* Vol.02, No.12, July, 2024
An International Peer-Reviewed Multidisciplinary Journal

उच्च माध्यमिक स्तर के आरक्षित और अनारक्षित वर्ग के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि में विभिन्न कारकों के कारण अंतर हो सकता है। दोनों ही वर्गों के विद्यार्थी अपने-अपने तरीकों से संवेगात्मक बुद्धि का विकास करते हैं। सामाजिक,आर्थिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि इनके संवेगात्मक कौशलों को प्रभावित करती है लेकिन अंततः सही मार्गदर्शन और समर्थन से सभी विद्यार्थी अपनी संवेगात्मक बुद्धि को सुदृढ़ कर सकते हैं और शैक्षिक और व्यक्तिगत जीवन में सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

2.शोध अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्व

संवेगात्मक बुद्धि का अध्ययन करने से यह समझने में मदद मिलती है कि विद्यार्थी कैसे अपने भावनात्मक तनावों और दबावों का सामना करते हैं। उच्च म्प् वाले विद्यार्थी अधिक आत्म-जागरूक होते हैं और बेहतर एकाग्रता के साथ अध्ययन कर सकते हैं जिससे उनके शैक्षिक प्रदर्शन में सुधार होता है। विद्यार्थियों में भावनात्मक और मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दे बढ़ते जा रहे हैं। संवेगात्मक बुद्धि का अध्ययन करने से यह स्पष्ट होता है कि कैसे भावनात्मक प्रबंधन की तकनीकों को सिखाकर विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाया जा सकता है। संवेगात्मक बुद्धि से सामाजिक कौशल जैसे संवाद, सहानुभूति और संघर्ष प्रबंधन में सुधार होता है। आरक्षित और अनारक्षित दोनों वर्गों के विद्यार्थियों को समाज में बेहतर तरीके से सामंजस्य बैठाने में मदद मिलती है। संवेगात्मक बुद्धि का अध्ययन नैतिक और मूल्य आधारित शिक्षा को बढ़ावा देता है। यह विद्यार्थियों को नैतिक निर्णय लेने,जिम्मेदारियों को समझने, और सामाजिक न्याय की भावना विकसित करने में सहायता करता है। आरक्षित और अनारक्षित वर्ग के विद्यार्थियों के बीच संवेगात्मक बुद्धि के अंतर को समझना और संबोधित करना शैक्षिक संस्थानों में समानता और समावेशिता को बढ़ावा देता है। यह दोनों वर्गों के विद्यार्थियों को समान अवसर और संसाधन प्रदान करने में मदद करता है।

संवेगात्मक बुद्धि व्यक्तिगत विकास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह विद्यार्थियों को आत्म-स्वीकृति,आत्म-नियंत्रण,और आत्म-प्रेरणा विकसित करने में मदद करता है, जिससे वे जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए बेहतर तरीके से तैयार हो पाते हैं। एक उच्च संवेगात्मक बुद्धि वाला समाज अधिक सामंजस्यपूर्ण होता है। विद्यार्थी अपने भावनाओं और प्रतिक्रियाओं को बेहतर समझते हैं और नियंत्रित करते हैं, जिससे वे समाज में सकारात्मक योगदान दे सकते हैं। शैक्षिक

Received Date: 20.07.2024
Publication Date: 31.07.2024

Knowledgeable Research ***ISSN 2583-6633*** **Vol.02, No.12, July, 2024**
An International Peer-Reviewed Multidisciplinary Journal

सफलता के अलावा, संवेगात्मक बुद्धि आजीवन सफलता में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह कैरियर,व्यक्तिगत संबंधों,और समग्र जीवन संतोष में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। आरक्षित और अनारक्षित वर्गों के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि के अध्ययन से प्राप्त अंतर्दृष्टि के आधार पर,शिक्षा प्रणाली में नई नीतियों और कार्यक्रमों का निर्माण किया जा सकता है जो सभी विद्यार्थियों के समग्र विकास को सुनिश्चित करते हैं।

संवेगात्मक बुद्धि का अध्ययन उच्च माध्यमिक स्तर के आरक्षित और अनारक्षित वर्गों के विद्यार्थियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह न केवल उनके शैक्षिक और व्यक्तिगत जीवन में सुधार लाता है, बल्कि सामाजिक न्याय और समानता की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। सही मार्गदर्शन और संसाधनों के माध्यम से, सभी विद्यार्थियों को उनकी संवेगात्मक बुद्धि को सुदृढ़ करने का अवसर मिलना चाहिए, जिससे वे जीवन की विविध चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना कर सकें।

3.सम्बन्धित साहित्य का सर्वेक्षण

ऽ सऊद (2019) ने सऊदी ईएफएल स्नातक छात्रों के संवेगात्मक बुद्धि स्तर का वर्णन किया और विदेशी 107 भाषा सीखने की सफलता पर संवेगात्मक बुद्धि प्रभाव की जांच की।

ऽ चैधरी (2020) ने उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्र की शैक्षणिक उपलब्धि और संवेगात्मक बुद्धि की जांच की।

ऽ मैककैन, जियांग, ब्राउन (2020) ने बताया कि विश्वविद्यालय और स्कूल संवेगात्मक बुद्धि सहित छात्रों के संवेगात्मक और सामाजिक कौशल विकास के लिए व्यापक संसाधन और समय समर्पित करते है।

ऽ एस्ट्राडा (2021) ने बताया कि छात्रों को उनकी भावनाओं को विनियमित करने का तरीका सिखाकर कक्षा में छात्र शैक्षणिक प्रदर्शन में सुधार किया जा सकता है जो स्थायी समुदायों को स्थापित करने के लिए आवश्यक संवेगात्मक बुद्धि दक्षताओं को विकसित करने का एक अभिन्न अंग है।

Author Name: Dr. DHAMENDRA KUMAR and ANSHIKA
Received Date: 20.07.2024
Publication Date: 31.07.2024

Knowledgeable Research *ISSN 2583-6633* **Vol.02, No.12, July, 2024**
An International Peer-Reviewed Multidisciplinary Journal

ऽ मेहर (**2021**) ने चार साल के एकीकृत बीएड प्रशिक्षुओं के अकादमिक प्रदर्शन स्कोर और संवेगात्मक बुद्धि स्कोर के बीच संबंधों की जांच की।

4.समस्या कथन

उच्च माध्यमिक स्तर के आरक्षित वर्ग व अनारक्षित वर्ग के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन।

5.शोध अध्ययन के उद्देश्य

1.आरक्षित वर्ग तथा अनारक्षित वर्ग के छात्रों की संवेगात्मक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना।

2.आरक्षित वर्ग तथा अनारक्षित वर्ग की छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि का अध्ययन करना।

6.शोध अध्ययन की परिकल्पना

1.आरक्षित वर्ग तथा अनारक्षित वर्ग के छात्रों की संवेगात्मक बुद्धि में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।

2.आरक्षित वर्ग तथा अनारक्षित वर्ग की छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।

7.आंकड़ा संग्रहण के उपकरण

प्रस्तुत लघु शोध हेतु आंकड़ों के संकलन के लिए आरक्षित वर्ग व अनारक्षित वर्ग के उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों से व्यक्तिगत सम्पर्क करके प्रश्नावली के माध्यम से आंकड़ों का संकलन किया गया।

8. न्यादर्श

वर्तमान लघु शोध हेतु **200** विद्यार्थियों को शामिल किया गया है।

Author Name: Dr. DHAMENDRA KUMAR and ANSHIKA
Received Date: 20.07.2024
Publication Date: 31.07.2024

Knowledgeable Research *ISSN 2583-6633* Vol.02, No.12, July, 2024
An International Peer-Reviewed Multidisciplinary Journal

9. उपकरण

संवेगात्मक मापनी - अंकुल हायडे, संजयोट पेटे एवं उपिन्दर धार द्वारा निर्मित प्रश्नावली।

10. परिकल्पनाओं का विश्लेषण एवं व्याख्या

परिकल्पना क्रमांक **1:-** आरक्षित वर्ग तथा अनारक्षित वर्ग के छात्रों की संवेगात्मक बुद्धि में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा। *तालिका संख्या* - **1**

*आरक्षित वर्ग तथा अनारक्षित वर्ग के छात्रों की संवेगात्मक बुद्धि का मध्यमान, मानक विचलन एवं क्रान्तिक अनुपात का विश्लेषण एवं व्याख्या***k**

Nk=	la[;k	e/;eku	ekud fopyu	ØkfUrd vuqikr	lkFkZdrk Lrj
vkjf{kr oxZ	**50**	72.73	22.47	1.36	***
vukjf{kr oxZ	**50**	69.38	20.17		

व्याख्या - तालिका संख्या 1 में आरक्षित वर्ग तथा अनारक्षित वर्ग के छात्रों की संवेगात्मक बुद्धि को दर्शाया गया है। तालिका में आरक्षित वर्ग के छात्रों की संवेगात्मक बुद्धि का मध्यमान, मानक विचलन 72.73 एवं 22.47 प्राप्त हुआ है जबकि अनारक्षित वर्ग के छात्रों की संवेगात्मक बुद्धि का मध्यमान, मानक विचलन क्रमशः 69.38 एवं 20.17 प्राप्त हुआ है। दोनो समूहों के मध्य क्रान्तिक अनुपात का मान 1.36 प्राप्त हुआ है। प्राप्त क्रान्तिक अनुपात सार्थकता के दोनों स्तर से कम है। कम सार्थकता स्तर दोनों समूहों के मध्य सार्थक अन्तर को स्पष्ट नहीं करता है। इससे सिद्ध होता है कि आरक्षित वर्ग तथा अनारक्षित वर्ग के छात्रों की संवेगात्मक बुद्धि में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

तालिका संख्या - 2

Knowledgeable Research *ISSN 2583-6633* Vol.02, No.12, July, 2024
An International Peer-Reviewed Multidisciplinary Journal

आरक्षित वर्ग तथा अनारक्षित वर्ग की छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि का मध्यमान, मानक विचलन एवं क्रान्तिक अनुपात का विश्लेषण एवं व्याख्या

Nk=k,sa	la[;k	e/;eku	ekud fopyu	ØkfUrd vuqikr	lkFkZdrk Lrj
vkjf{kr oxZ	**50**	68.41	19.83	1.85	***
vukjf{kr oxZ	**50**	73.10	23.72		

1- व्याख्या - तालिका संख्या 2 में आरक्षित वर्ग तथा अनारक्षित वर्ग की छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि को दर्शाया गया है। तालिका में आरक्षित वर्ग की छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि का मध्यमान, मानक विचलन 68.41 एवं 19.83 प्राप्त हुआ है जबकि अनारक्षित वर्ग की छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि का मध्यमान, मानक विचलन क्रमशः 73.10 एवं 23.72 प्राप्त हुआ है। दोनो समूहों के मध्य क्रान्तिक अनुपात का मान 1.85 प्राप्त हुआ है। प्राप्त क्रान्तिक अनुपात सार्थकता के दोनों स्तर से कम है। कम सार्थकता स्तर दोनों समूहों के मध्य सार्थक अन्तर को स्पष्ट नहीं करता है। इससे सिद्ध होता है कि आरक्षित वर्ग तथा अनारक्षित वर्ग की छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

2. शोध के निष्कर्ष

1. आरक्षित वर्ग तथा अनारक्षित वर्ग के छात्रों की संवेगात्मक बुद्धि में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

2. आरक्षित वर्ग तथा अनारक्षित वर्ग की छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

2- lUnHkZ xzUFk lwph

- Chaudhury, B.R. (2020). Emotional Intelligence and Academic Achievement of Higher Secondary School Students. Maharshi Dayanand University Research Journal ARTS, 19(1), 27-36.

Author Name: Dr. DHAMENDRA KUMAR and ANSHIKA
Received Date: 20.07.2024
Publication Date: 31.07.2024

Knowledgeable Research *ISSN 2583-6633* **Vol.02, No.12, July, 2024**
An International Peer-Reviewed Multidisciplinary Journal

- Estrada, M., Monferrer, D., Rodriguez, A. and Moliner, M.A. (2021). Does Emotional Intelligence Influence Academic Performance? The Role of Compassion and Engagement in Education for Sustainable Development . Sustainability, 13, 1-18.
- MacCann, C., Jiang, Y., Brown, E.R., Double, K.S., Bucich, M., & Minbashian, A. (2020). Emotional Intelligence Predicts Academic Performance: A MetaAnalysis. American Psychological Association, 146(2), 150-186.
- Meher, B. , Baral, R. and Bankira, S. (2021). An Analysis of Emotional Intelligence and Academic Performance of Four Year Integrated B.Ed. Trainees. Shanlex – International Journal of Education, 9(2), 108-116.
- Saud, W.I. (2019). Emotional Intelligence and Its Relationship to Academic Performance among Saudi EFL Undergraduates. International Journal of Higher Education, 8(6), 222-230.

Author Name: Dr. DHAMENDRA KUMAR and ANSHIKA
Received Date: 20.07.2024
Publication Date: 31.07.2024